No. of Printed Pages : 2 **MSKE–010**

एम. ए. (संस्कृत)
(एम. एस. के . टी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2026
एम.एस.के.ई.-010 : दर्शनशास्त्र : ब्रह्मसूत्र, योगसूत्र, न्यायसूत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो भागों में विभाजित है। भागों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क 3×20=60

नोट : *इस भाग से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. ब्रह्मसूत्र के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का विवेचन कीजिए। 20
2. भेदसहित अध्यास स्वरूप का निरूपण कीजिए। 20
3. योगदर्शन में प्रतिपादित चतुर्विध समापत्ति का सविशद व्याख्यान कीजिए। 20
4. ऋतम्भरा प्रज्ञा क्या है ? योगदर्शन के अनुसार स्पष्ट कीजिए। 20

5. न्यायदर्शन में महर्षि गौतम एवं वात्स्यायन के अवदानों का उल्लेख कीजिए। 20

6. न्यायदर्शन के अनुसार भेदपूर्वक प्रमेय पदार्थ का प्रतिपादन कीजिए। 20

भाग—ख $4\times10=40$

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

7. अद्वैतवेदान्त के अनुसार साधनचतुष्टय को व्याख्यायित कीजिए। 10

8. अद्वैत वेदान्त के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 10

9. श्री रामानुजाचार्य एवं श्रीभाष्य का परिचय दीजिए। 10

10. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 10

11. महर्षि पतञ्जलि की दृष्टि में योग लक्षण की व्याख्या कीजिए। 10

12. अष्टांग योग के अन्तरङ्ग साधन का प्रतिपादन कीजिए। 10

13. न्यायदर्शन की परम्परा में नव्यन्याय का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए। 10

14. न्यायदर्शन के अनुसार हेत्वाभास-छल एवं जाति पदार्थों के स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 10

× × × × ×